आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 47 (प्रति रविवार) इंदौर, 11 अगस्त से 17 अगस्त 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

लाल किले की प्रचीर से दुनिया को भारत का संदेश

हमने कभी दुनिया को जंग में नहीं झोंका

पीएम मोदी ने 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराकर विकसित भारत 2047 का रोड मैप देश और दुनिया के सामने रखा

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराकर विकसित भारत 2047 का रोड मैप देश और दुनिया के सामने रखा। पीएम मोदी ने अपने 98 मिनट लंबे भाषण में युद्ध लड़ने को बेताब दुनिया को बुद्ध का संदेश दिया। पीएम मोदी ने अपने भाषण में पाकिस्तान का जिक्र तक नहीं किया। लेकिन पीएम मोदी ने अपने भाषण में बांग्लादेश का 4 बार जिक्र कर कहा कि भारत उसकी मदद करता रहेगा। पीएम मोदी ने कोलकाता डॉक्टर मर्डर कांड पर भी इशारों-इशारों में कहा कि पापियों के मन में अब डर पैदा करना जरूरी है। वहीं, पीएम मोदी ने अगले पांच साल में 75 हजार मेडिकल सीटों का वादा देश के करोड़ों छात्रों से किया।

दुनिया को पीएम मोदी का बुद्ध का संदेश-लाल किले से पीएम मोदी ने देश की चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि कई चुनौतियां हैं, देश के भीतर भी हैं और बाहर भी हैं। मैं ऐसी शक्तियों को कहना चाहता हूं कि भारत का विकास किसी के लिए संकट लेकर नहीं आता । जब हम विश्व में समृद्ध थे, तब भी विश्व को कभी युद्ध में नहीं झोंका हम बुद्ध का देश हैं, युद्ध हमारी राह नहीं है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, देश में हमारी माता, बहनों और बेटियों के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं। उसके प्रति लोगों का जन आक्रोश है। राज्य सरकारों को इन अपराधों को गंभीरता से लेना होगा। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जल्द से जल्द जांच हो, राक्षसी काम करने वाले लोगों को जल्द कड़ी सजा होनी चाहिए। महिलाओं पर अत्याचार की जब घटनाएं होती हैं, तब उसकी बहुत ज्यादा चर्चा होती है। मगर जब ऐसा करने वाले राक्षसी व्यक्ति को सजा दी जाती हैं, तब इसकी छोटी सी खबर आती है। इस पर चर्चा नहीं होती है। अब समय की मांग है कि ऐसा करने वाले दोषियों की भी व्यापक चर्चा हो ताकि ऐसा पाप करने वालों को भी डर हो कि उन्हें फांसी पर लटकना पड़ेगा। मुझे लगता है कि ये डर पैदा करना जरूरी है।

परिवारवाद और जातिवाद से लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक-प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवाद और जातिवाद से लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। हमें इस परिवारवाद और जातिवाद से देश को मुक्ति दिलानी है। हमारा एक मिशन ये भी है कि एक लाख उन लोगों को आगे लाया जाए, जिनके परिवार में किसी का भी राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं हो। इससे देश को परिवारवाद और जातिवाद से मुक्ति मिलेगी। इतना ही नहीं नई सोच सामने आएगी। वे किसी भी दल में जा सकते हैं। भाई-भतीजावाद, जातिवाद समाज को नुकसान पहुंचा रहे है, राजनीति से इन्हें खत्म करना होगा।

एक देश, एक चुनाव में सहयोग कर दल-पीएम मोदी ने कहा कि आज हर काम को चुनाव से रंग दिया गया है। सभी राजनीति दलों ने अपने विचार रखे हैं। एक कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयारी है। देश को वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए आगे आना होगा।

400 चाइनीज कंपनियों पर जल्द बैन लगा सकती है सरकार

नई दिल्ली। *भारत सरकार एक बार फिर से चीन की कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही हैं। कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय जल्द ही लगभग 400 चीनी कंपनियों पर एक्शन ले सकता है। मंत्रालय के पास जानकारी आई है कि ये कंपनियां ऑनलाइन जॉब और ऑनलाइन लोन से जुड़े फ्रॉड करने में लिप्त हैं। आशंका है कि इन सभी कंपनियों ने दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश समेत 17 राज्यों में कई लोगों को फाइनेंशियल फ्राड का शिकार बनाया है।*

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने की थी जांच-सरकारी सूत्रों के हवाले से मनीकंट्रोल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने मोबाइल स्क्रीन और बैटरी बनाने वाले लगभग 40 चीनी कंपनियों के खिलाफ भी जांच शुरू की है। सूत्रों ने दावा किया है कि लगभग 600 चीनी कंपनियां जांच के दायरे में आई थीं। इनमें से 300 से लेकर 400 कंपनियों का कामकाज संदिग्ध पाया गया है। इन पर कार्रवाई होना लगभग निश्चित हो चुका है। इनमें लोन एप और ऑनलाइन जॉब ऑफर करने वाली कंपनियां भी शामिल हैं।

डिजिटल लोन के नाम पर खुल रहीं फर्जी कंपनियां-रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डिजिटल लोन देने वाली कंपनियां पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी हैं। ये रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की गाइडलाइन्स का पालन नहीं कर रही हैं। इसके चलते कई कस्टमर धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। साथ ही इस तरह के लोन देने वाली कंपनियां लोगों का मानसिक शोषण भी करने लगती हैं। इनकी ब्याज दरें भी काफी हाई होती हैं। इन पर रोक लगाने के लिए सरकार की तरफ से यह जांच शुरू की गई थी। इसी तरह फर्जी जॉब ऑफर देकर भी लोगों को फंसाया जा रहा है।

3 महीने में कार्रवाई संभव-रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से कई कंपनियों के डायरेक्टर भारतीय हैं। लेकिन, इनके बैंक अकाउंट चीनी हैं। साथ ही इनमें कोई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं हैं। कई मामलों में कंपनियों का पता भी गलत निकला है। कुछ केसों में इनवेस्टमेंट किसी और नाम से किया गया जबकि कंपनी कुछ और ही बिजनेस करती पाई गई। इससे फाइनेंशियल फ्राड करना बहुत आसान हो जाता है। कंपनी एक्ट के अनुसार, इन कंपनियों पर कार्रवाई तीन महीने के अंदर की जा सकती है।

वक्फ बोर्ड किसी जमीन को अपनी संपत्ति नहीं बता सकेगा

केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में संशोधन के लिए बिल लाएगी, कैबिनेट की मंजूरी मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार जल्द ही मौजूदा वक्फ एक्ट में करीब 40 संशोधन करने की तैयारी में है। इसे लेकर सरकार इसी सत्र में एक नया बिल लेकर आ सकती है। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। नए बिल में इस पर रोक लगाई जा सकती है।

सूत्रों को मुताबिक शुक्रवार (2 अगस्त) को हुई कैबिनेट बैठक में इस बिल को मंजूरी भी मिल गई है। प्रस्तावित बिल में मौजूदा एक्ट की कुछ धाराओं को हटाया भी जा सकता है। संसद का मानसून सत्र अभी 12 अगस्त तक चलना है।

ओवैसी बोले- भाजपा हमेशा से वक्फ बोर्ड के खिलाफ रही है- वक्फ एक्फ में संशोधन की अटकलों को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो जब संसद सत्र चल रहा है, तो केंद्र सरकार संसद की सर्वोच्चता और विशेषाधिकारों के खिलाफ काम कर रही है और इसकी जानकारी संसद को देने की बजाय मीडिया को दे रही है।

ओवैसी ने कहा कि वक्फ एक्ट में संशोधन को लेकर मीडिया में जो भी कहा जा रहा है, उससे यह पता चलता है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी छीनना चाहती है और उसमें दखल देना चाहती है। यह धर्म की स्वतंत्रता के खिलाफ है। आगे उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह कि भाजपा हमेशा से इस बोर्ड और वक्फ की संपत्तियों के खिलाफ रही है। उनका हिंदुत्व का एजेंडा है। अब अगर आप वक्फ बोर्ड की स्थापना और संरचना में बदलाव करना चाहते हैं, तो इससे प्रशासनिक स्तर पर अव्यवस्था होगी, वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी खत्म होगी और अगर सरकार वक्फ बोर्ड पर अपना कंट्रोल बढ़ाती है तो वक्फ की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा।

संपादकीय

सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच की विदेशी फंड में हिस्सेदारी?

सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर हिडनबर्ग ने तथ्यों के साथ दस्तावेज सहित माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ बड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनॉमिक अपॉर्चुनिटी फंड में हिस्सेदारी के दस्तावेज, हिडनबर्ग ने उजागर किए हैं। गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह की कंपनियों में शेयरों के दाम बढ़ाने तथा निवेश करने के आरोप लगाए हैं। हिडनबर्ग का आरोप है कि अडानी समूह पर सेबी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। सेबी ने उस समय भी कोई प्रतिक्रिया दी थी। जब इस मामले में तूल पकड़ा, तो सुप्रीम कोर्ट ने आरोपों की जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया। सेबी अध्यक्ष के पद पर माधवी पुरी स्वयं आसीन थी। इस गड़बड़ झाले में उनके और उनके पति की सहभागिता थी। जिसके कारण उन्होंने जांच करना तो दूर, स्वयं अपने आप को बचाने के लिए जांच ही नहीं होने दी। 27 जून 2024 को सेबी ने हिंडन वर्ग को एक नोटिस जारी किया था। उसके बाद हिडनबर्ग ने माधवी पुरी और धवल बुच की सच्चाई वाली 10 अगस्त 2024 को नई रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में दस्तावेजों के साथ हिडनबर्ग ने खुलासा किया है। हिडनबर्ग के दस्तावेजों के अनुसार 22 मार्च 2017 को उनके पति धवल बुच ने मॉरीशस फंड प्रशासक ट्राईडेंट ट्रस्ट को ईमेल किया था। उसमें लिखा गया था, कि उनका और उनकी पत्नी माधवी पुरी का ग्लोबल डायनेमिक अपॉर्चुनिटी फंड में निवेश है। धवल ने आग्रह किया था, कि इस फंड का अकेले ऑपरेट करने का अधिकार उनको है। माधवी पुरी ने भी अपने ईमेल से अपने शेयर अपने पति को ट्रांसफर करने की सूचना कंपनी को दी थी। उसके बाद अप्रेल 2017 से डायरेक्टर के रूप में माधवी बुच सेबी में काम कर रही हैं। पूर्व सेबी प्रमुख अजय त्यागी के सेवानिवृत्ति के बाद 28 फरवरी 2022 से पूर्णकालिक सेबी अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए की गई है। 2017 के बाद से आफसोर कंपनियों द्वारा शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है। शेयर बाजार में ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह के शेयरों में निवेश किया गया। कृत्रिम तेजी का जो खेल शेयर बाजार में खेला जा रहा था। उसे हिडनबर्ग की रिपोर्ट में उजागर किया है। हिडनबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद अडानी समूह को 7.20 लाख करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा था। दुनिया के सबसे बड़े तीसरे नंबर के आदमी की सूची में वह पहुंच गए थे। लेकिन जैसे ही हिडनंबर्ग की रिपोर्ट आई। अडानी समूह को लाखों करोड़ का नुकसान हुआ। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया था। माधवीपुरी और उनके पति खुद इस मामले में संलिप्त थे। अतः उन्होंने हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में जिन कंपनियों के नाम दिए गए थे, उन कंपनियों की जांच ही नहीं होने दी। अब हिडेनबर्ग ने जो रिपोर्ट जारी की है, उसमें उसने सेबी प्रमुख का कच्चा चिट्ठा उजागर कर दिया है। शेयर बाजार के सारे घपले घोटाले एक-एक करके सामने आने लगे हैं। अडानी समूह के साथ जुड़े रहने के कारण ही माधवी पुरी को सेबी का पूर्णकालिक डायरेक्टर बनाया गया। इस तरह के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जो नोटबंदी की गई थी। उसमें कालेधन को खत्म करने की बात कही गई थी। नोटबंदी के बाद रिजर्व बैंक द्वारा जारी नोट के 99 फीसदी से ज्यादा नोट बैंक में वापिस जमा हो गये। देश का पूरा काला धन बैंकों में वापस आकर सफेद हो गया। यही कालाधन बाद में शेयर बाजार में लगा। जिनके पास काला धन था, उन्हें नोटबंदी के बाद शेयर बाजार के माध्यम से भारी कमाई होने लगी। नोटबंदी के बाद शेयर बाजार ने बेलगाम घोड़े की तरह तेज रफ्तार पकड़ ली। विदेशों में जमा काला धन ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में निवेश होने लगा। शेयर बाजार में मुनाफा वसूली के जरिए कालाधन कमाई का एक नया जरिया बन गया। सेबी प्रमुख की सरपरस्ती में विदेश से काला धन बड़ी मात्रा में आकर शेयर बाजार में लगता रहा। कृत्रिम तेजी और मंदी के खेल में अडानी समूह दुनिया के तीसरे नंबर के रईसों में शामिल हो गया था। शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन करके भारी कमाई अडानी समूह ने की है। इसका लाभ भी सेबी प्रमुख के पति धवल बुच को भी मिला है। हिडनबर्ग ने जो नई रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसमें इसका उल्लेख है।

युवा क्रांति के साथ शांति के नये छंद रचें

ललित गर्ग

युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाती है। सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को बढ़ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निर्माताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है। पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनका जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो। युवाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इन्हीं मूलभूत बातों को लेकर यह दिवस मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं। विशेषतः युवा अपनी वृद्ध पीढ़ी की उपेक्षा के कारण भी निशाने पर है। विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन की निरंतर हो रही वृद्धि। युवापीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा युवक किसी न किसी नशे का आदी हो चुका है। अगर यही प्रवृत्ति रही तो सरकार, सेना और समाज के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ युवा नहीं मिलेंगे। एक नशेड़ी पीढ़ी का देश कैसे अपना पूर्व गौरव प्राप्त कर सकेगा? इन स्थितियों के बावजूद युवाओं को एक उन्नत एवं आदर्श जीवन की ओर अग्रसर करना वर्तमान की सबसे बड़ी जरूरत है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है।

यौवन को प्राप्त करना जीवन का सौभाग्य है। जीने की तीन अवस्थाएं बचपन, यौवन एवं बुढ़ापा हैं, सभी युवावस्था के दौर से गुजरते हैं, लेकिन जिनमें युवकत्व नहीं होता, उनका यौवन व्यर्थ है। उनके निस्तेज चेहरे, चेतना-शून्य उच्छ्वास एवं निराश सोच मात्र ही उस यौवन की साक्षी बनते हैं, जिसके कारण न तो वे अपने लिये कुछ कर पाते हैं और न समाज एवं राष्ट्र को ही कुछ दे पाते हैं। वे इतना सतही जीवन जीते हैं कि व्यक्तिगत स्पर्द्धाओं एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझकर अपने ध्येय को विस्मृत कर देते हैं। उनका यौवन कार्यकारी तो होता ही नहीं, खतरनाक प्रमाणित हो जाता है। युवाशक्ति जितनी विराट् और उपयोगी है, उतनी ही खतरनाक भी है। इस परिप्रेक्ष्य में युवाशक्ति का रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपयोग करने की जरूरत है।

गांधीजी से एक बार पूछा गया कि उनके मन की आश्वस्ति और निराशा का आधार क्या है? गांधीजी बोले- 'इस देश की मिट्टी में अध्यात्म के कण हैं, यह मेरे लिये सबसे बड़ा आश्वासन है। पर इस देश की युवापीढ़ी के मन में करुणा का स्रोत सूख रहा है, यह सबसे बड़ी चिन्ता का विषय है।' गांधीजी की यह चिन्ता सार्थक थी। मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है।

विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है। युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए।

युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषतः राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक 'सरवाइविंग द फ्यूचर' में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है 'मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना।' उनको यह इसलिये कहना पड़ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं। इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापीढ़ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं।

कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- ''मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है।'' महादेवी वर्मा ने भी कहा है ''बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है।'' इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सके।

निगम द्वारा स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान

शहर के 100 से अधिक बस्ती एवं कॉलोनी में रहवासियों के साथ चलाया अभियान

इंदौर। स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विन शुक्ल ने बताया कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम द्वारा स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत आज शहर के विभिन्न आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) और स्लम क्षेत्रों में विशेष सफाई गतिविधियाँ आयोजित की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान होने वाली बीमारियों से बचाव और रोकथाम को सुनिश्चित करना था। विशेष रूप से मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त कर मच्छर जनित बीमारियों (वेक्टर-जनित बीमारियों) की घटनाओं को कम करना और श्रमदान के माध्यम से नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना इस अभियान का मुख्य लक्ष्य था, जिसके तहत शहर के विभिन्न स्थानों पर रहवासी सांडों के साथ ही निगम अधिकारी एवं कर्मचारी, एनजीओ संस्था द्वारा सफाई अभियान चलाते हुए, नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

मुख्य गतिविधियाँ

1. **विशेष सफाई अभियान :** महापौर श्री भार्गव एवं आयुक्त श्री वर्मा के निर्देशानुसार, आज शहर की

29 स्लम और 80 आरडब्ल्यूए क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में करीब 700 से अधिक वालंटियर्स, 1200 से अधिक बच्चों, और 3000 से अधिक नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

2. **फॉगिंग और घास काटना :** सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत निगम द्वारा मुख्य सड़कों और साइड क्षेत्रों में घास काटने, ग्रीन वेस्ट को उठाने, और फॉगिंग का कार्य प्रभावी रूप से संपन्न किया गया।

3. **श्रमदान और जागरूकता :** सभी रहवासियों को सफाई के प्रति जागरूक करते हुए श्रमदान के माध्यम से परिसरों की सफाई की गई और उन्हें स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। दुकानदारों और रहवासियों को साफ-सफाई बनाए रखने और डेंगू मच्छरों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया।

4. **स्वच्छता रैली :** स्वच्छता अभियान के तहत एक रैली निकाली गई, जिसमें स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया गया और लोगों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

5. **स्वच्छता और स्वास्थ्य शिक्षा :** रहवासियों को स्वच्छता के महत्व और बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। व्यक्तिगत स्वच्छता और सही हाथ धोने के तरीकों पर विशेष रूप से जागरूकता फैलाई गई।

6. **ड्रोन से दवाई का छिड़काव :** एक अभिनव पहल के तहत, आज इंदौर में ब्रीडिंग लार्वा साइट पर ड्रोन के माध्यम से दवाई का छिड़काव किया गया। स्वास्थ्य विभाग और आईएमसी की संयुक्त टीम ने हॉटस्पॉट्स की पहचान की, जैसे कि बड़ी इमारतों की छत पर जमा पानी, और फिर ड्रोन के माध्यम से एआई तकनीक का उपयोग कर कीटनाशक का छिड़काव किया गया। इस पहल को एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत पूरे महीने चलाया जाएगा।

इन सभी गतिविधियों के माध्यम से इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता का महत्व समझाया गया और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। यह अभियान न केवल बीमारियों से बचाव में सहायक सिद्ध होगा। बल्कि इंदौर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अनुसूचित जाति के युवाओं को रोजगार के लिये 50 लाख रूपये तक का मिलेगा लोन

इंदौर। राज्य शासन के अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनुसूचित जाति के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिये अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं के तहत अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिये 50 लाख रूपये तक ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। जिले में इस वर्ष अनुसूचित जाति के लगभग एक हजार युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति इंदौर के कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि संत रविदास स्वरोजगार योजना में 199 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

योजना के तहत एक लाख रूपये से लेकर 50 लाख रुपये तक ऋण उद्योग परियोजनाओं के लिये दिया जायेगा। इसी तरह एक लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का ऋण सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु दिया जायेगा। इसके लिये आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष होना चाहिये। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होना चाहिये। योजना में वित्तीय सहायता ब्याज अनुदान वितरित शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर देय होगा।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारत की शान, मान और हम सबका अभिमान है : मंत्री सिलावट

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर आज से हर घर तिरंगा अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान का शुभारंभ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सुल्लाखेड़ी से किया। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारत की शान, मान और हम सबका अभिमान है। हर घर तिरंगा फहराया जाना चाहिए। श्री सिलावट ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 14 अगस्त तक चलेगा। इसमें विभिन्न कार्यक्रम होंगे। उन्होंने इस अभियान से हर नागरिक को जुड़ने का आव्हान किया। उक्त कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों और अमर शहीदों का स्मरण किया गया। ग्रामीणों, किसानों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झण्डे का महत्व बताते हुए उसे वितरित किया गया। नागरिकों से कहा गया कि अपने घरों पर एवं उची इमारतों पर तिरंगा झण्डा जरूर लगाये।

महापौर के निर्देश पर, निगम ने चलाया शहर में सड़कों का पैच वर्क कार्य

इंदौर। शहर के प्रमुख सड़कों पर पड़े गड्ढों और अन्य क्षतिग्रस्त हिस्सों को लेकर नगर निगम ने महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के निर्देश पर शहर मैं पेज पर कार्य का अभियान प्रारंभ किया गया। विदित हो कि महापौर जी ने विगत दिनों बैठक के दौरान नगर निगम के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दीपावली के पूर्व शहर की सभी सड़कों को ठीक किया जाए। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने विशेष रूप से बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों पर ध्यान देने की बात कही है, ताकि शहरवासियों को त्योहारों के दौरान आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि प्राथमिकता के आधार पर शहर की प्रमुख सड़कों पर मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशों के बाद नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में पेंच वर्क का कार्य तेजी से चल रहा है।

प्रमुख सड़कों पर सबसे पहले मरम्मत का कार्य किया जा रहा है, ताकि यातायात को सुचारु रखा जा सके। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। जनकार्य प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर ने बताया कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशानुसार आगामी त्योहारों के साथ ही दीपावली के त्योहार से पहले इंदौर की सभी सड़कें पूरी तरह से दुरुस्त हो जाएं और नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात का अनुभव हो, इस हेतु नगर निगम द्वारा अलग-अलग टीम का गठन कर झोनवार व क्षेत्रवार पेच वर्क का कार्य किया जा रहा है।

मंडला से भी प्रारम्भ होगी पीएमश्री वायु सेवा : मुख्यमंत्री

मंत्री श्रीमती उइके ने जिले की बहनों की ओर से सीएम को बांधी राखी, पहनाया साफा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने मंडला प्रवास के दौरान अनेक सौगातें देते हुए ग्वारा में हवाई पट्टी विकसित करने के लिए 6 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मंडला से भी शीघ्र ही पीएमश्री वायुसेवा प्रारंभ की जाएगी। साथ ही बम्हनी के महाविद्यालय में पीजी कोर्सेस प्रारंभ किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बम्हनी को उप तहसील से तहसील का दर्जा देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि गेहूं की तरह अब धान की खरीदी पर भी बोनस दिया जायेगा। साथ ही दुग्ध उत्पादक किसानों को भी बोनस राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मंडला जिले के बम्हनी में रक्षाबंधन सह श्रावण उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंद्र देव के आशीर्वाद के बीच बम्हनी की बहनों का स्नेह और प्यार अद्भुत है। यहां पर हर घर से राखी बंधकर आयी है। यह बहनों का प्यार बड़ा ही स्मरणीय हो गया है। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त को बहनों के खातों में राशि प्रदान की गई है। बात सिर्फ रुपये पैसों की नहीं है, बल्कि बहनों की सुविधाओं की है। बहनें योजना से मिली इस राशि से राखी के अलावा कई सामग्री खरीदती है। परिवार में जब भी रुपये आते है बहनें रुपयों का सदैव सद्उपयोग करना जानती है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। श्रावण मास त्यौहारों की श्रृंखला का पर्व है। उन्होंने कहा कि वे पहले सिर्फ एक विधानसभा की बहनों के साथ राखी पर्व मनाते रहे हैं, अब से पूरा प्रदेश उनका ही परिवार हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मी योजना से आरोही जोगी, एनआरएलएम की लखपति दीदी सुनिता चौहान और मुद्रा योजना से गोरा बाई को लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री ने तनुश्री पाठक को अनुकंपा नियुक्ति-पत्र भी प्रदान किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मंडला जिले के हृदय स्थल पर रक्षाबंधन का यह आयोजन गौरवान्वित कर रहा है। बम्हनी कॉलेज में पीजी कोर्स प्रारंभ करने और वायु सेवा प्रारंभ करने की मांग रखी थी, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पूरी करने की घोषणा कार्यक्रम के दौरान ही की गई। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें मौजूद रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मंडला जिले की हवाई पट्टी ग्वारा में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्री श्रीमती संपतिया उईके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते तिरंगा रथ में सवार होकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। नागरिकों ने पुष्प-वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह बैंड बाजे, लोक गीत और लोक नृत्य कर यात्रा का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने 11 हजार राखियों का संग्रह किया स्वीकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधने के लिए मंडला जिले की बहनों ने 11 हजार राखियां संग्रहित की, जिन्हें मंच से कार्यक्रम स्थल के छोर तक रेशम की एक डोर से बांधा गया था। इस डोर में बहनों की 11 हजार राखियां बांधी गई थी, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से अपनी ओर खींचा। साथ ही बहनों ने मुख्यमंत्री को आभार देने के लिए 1लाख 11 हजार आभार-पत्र लिखे, जिनका संग्रह मुख्यमंत्री डॉ. यादव को एनआरएलएम की दीदियों ने सौंपा।

घरों पर फहराएं तिरंगे, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए होगी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश रानी दुर्गावती का 500वाँ जन्मदिन मना रहा है। मंडला की धरती पर ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हुए हैं जिन्होंने हमेशा इस भूमि की रक्षा की है। यहां की भूमि पर रानी दुर्गावती और अवंती बाई ने मुगलों, पठानों और सुल्तानों से लड़ाईयाँ लड़ी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंकरशाह व रघुनाथ शाह जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी हर घर तिरंगा अभियान चल रहा है। इस अभियान में सभी नागरिक अपने-अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराए। जो चन्द्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, मंगल पांडे, शंकरशाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को आपकी ओर से श्रृद्धांजलि होगी।

दूरस्थ अंचलों तक बेसिक लाइफ़ सपोर्ट की जागरूकता आवश्यक-राज्यपाल

राज्यपाल ने किया इमरजेंसी मेडिसिन के 20वें नेशनल कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा में फर्स्टऑवर अर्थात गोल्डन ऑवर बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस अवधि में त्वरित और सटीक मेडिकल सहायता से कई लोगों को जीवन दान मिल सकता है। इसलिए दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बेसिक लाइफ़ सपोर्ट की जागरूकता आवश्यक है। स्वास्थ्य कर्मियों को भी आपातकालीन चिकित्सा के नवीनतम प्रोटोकॉल्स से अपडेट करें। राज्यपाल श्री पटेल इमरजेंसी मेडिसिन के 20वें राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल पटेल ने आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को प्रभावी बनाने और चिकित्सा नवाचारों के लिए एम्स और आयोजकों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में विद्वानों और विशेषज्ञों के मंथन से आपातकालीन चिकित्सा की बेहतरी के लिए जो समाधान और सुझाव रूपी अमृत निकला है, उसे समाज को ज्यादा से ज्यादा बांटने का प्रयास करें। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए हेल्थकेयर विशेष रूप से इमरजेंसी हेल्थकेयर एक चुनौती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इमरजेंसी हेल्थ केयर की चुनौतियों के समाधान का व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। एडवांस लाइफ़ सपोर्ट, बेसिक लाइफ़ सपोर्ट, एम्बुलेंस आदि सेवाओं को बेहतर किया जा रहा है। सरकार भी आपातकालीन चिकित्सा सेवा के नये केंद्रों की स्थापना और अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा की दिशा में कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया गया। कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. मोहम्मद युनुस ने कॉन्फ्रेंस और साइक्लोथॉन की रूप-रेखा की जानकारी दी। अध्यक्ष एम्स भोपाल डॉ. सुनील मलिक ने कॉन्फ्रेंस के विषय पर अपने विचार रखे। डॉ. भूपेश्वरी पटेल ने आभार व्यक्त किया। समारोह में प्रो. रजनीश जोशी, विद्वान चिकित्सक, साइक्लोथॉन प्रतिभागी उपस्थित रहे।

साइक्लोथॉन जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम

राज्यपाल ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को जागरूक बनाने साइक्लोथॉन प्रभावी माध्यम है। उन्होंने एम्स भोपाल की इस पहल की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने आशा व्यक्त की कि साइक्लोथॉन का आयोजन आपातकालीन चिकित्सा के प्रति समाज में सकारात्मकता के प्रसार में सफल होगी। साथ ही इमरजेंसी मेडिसिन के क्षेत्र में एम इंडिया-2024 भी मील का पत्थर साबित होगा। सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा ने बेसिक लाइफ सपोर्टपर आधारित आयोजन और जीवन रक्षा की जन-जागरूकता के प्रयासों के लिए एम्स भोपाल को बधाई दी।

राज्यमंत्री श्रीमती बागरी के मार्ग दर्शन में जन अभियान परिषद द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली

भोपाल। देश के सम्मान के प्रतीक तिरंगा झण्डा के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने हेतु सतना में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्र-1 में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा रविवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तिरंगा रैली निकाली गई। जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आयोजित रैली में शामिल लोगों के हाथ में झण्डा तथा भारत माता की जय, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झण्डा ऊंचा रहे हमारा, इसकी शान न जाने पाये, चाहे जान भले ही जावे गीत रैली के सहभागियों द्वारा गाये जा रहे थे। नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सतना में सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक विकास में शासन के साथ जब समुदाय की शक्ति मिलती है तो विकास के सोपान शीघ्रता से प्राप्त किये जा सकते हैं।

वर्तमान युवा कल का भविष्य है जिसकी ताकत से ग्रामों की तकदीर और तस्वीर दोनों बदले जा सकते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन पर मध्यप्रदेश के 313 विकासखण्डों में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम एक सशक्त प्रतिमान है जिससे जुड़कर ग्रामीण युवा प्रशिक्षित होकर अपने संकल्पों से ग्रामीण विकास के दूत बनकर शासन की योजनायें जमीनी स्तर तक प्रसारित करनें के वाहक बने हुये है। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने युवा नेतृत्व संवाद करते हुए सभी छात्रों से कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह पाठ्यक्रम कोई साधारण पाठ्यक्रम नहीं है। इस पाठ्यक्रम से साधारण सा व्यक्तित्व भी नेतृत्व क्षमता बढ़ाकर विशिष्ट बन सकता है। स्वयं का उदाहरण देते हुये उन्होने बताया कि वे भी एम.एस.डब्ल्यू की विद्यार्थी रही है , और आज आपके सामने जीवंत प्रमाण के रूप में उपस्थित हूं कि और यह बताना चाहूंगी कि पढ़ाई कैसे एक साधारण से व्यक्ति को राज्यमंत्री तक का सफर करा देता हूं।

परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रहीं

लाडली बहना योजना

भोपाल। *लाडली बहना योजना के तहत मुझे हर माह साढ़े 12 सौ रुपए मिल रहें है। इस बार योजना के 1250 रूपये एवं रक्षा बंधन के त्योहार पर उपहार स्वरूप 250 रुपए की राशि मेरे खाते में प्राप्त हुई है। यह सब हमें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भैया ने दिया है।*

मैं मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। लाड़ली बहना योजना से मिली आर्थिक मदद और रक्षा बंधन के लिये उपहार के रूप में कुल 1500 रूपये की मदद हमारे परिवार में खुशियाँ लाएंगी। त्यौहार पूरे उत्साह से मनाएंगे। लाड़ली बहना योजना आर्थिक मदद के साथ मेरे और परिवार की छोटी -छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रही है। यह बात इंदौर जिले के ग्राम सुल्लाखेड़ी निवासी श्रीमती विनीता कसेरा ने कही। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर खुशी जाहिर की।

जिले के ग्रामों व जनपद पंचायतों में आयोजित हुआ समूह एवं लाडली बहना सम्मेलन

इंदौर जिले के समस्त ग्रामों एवं जनपद पंचायतों में समूह एवं लाड़ली बहना सम्मेलन का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप उक्त आयोजन में समूह सदस्यों द्वारा जनप्रतिनिधियों को रक्षा सूत्र बांधकर राखी उत्सव भी मनाया गया । कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ग्रामों में समूह सदस्यों द्वारा जिला श्योपुर में आयोजित मुख्यमंत्री डॉ.यादव के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और सुना गया। ग्राम सुलखेड़ी में समूह की दीदीयों ने मंत्री श्री तुलसी सिलावट एवं अन्य जनप्रतिनिधिगणों को रक्षा सूत्र बांधे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों को सीसीएल स्वीकृति-पत्रों का वितरण किया गया। विकासखंड देपालपुर का मुख्य कार्यक्रम ग्राम माचल में जनपद अध्यक्ष व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ । ग्राम खुड़ैल में आयोजित कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्री कान्हा सिसोदिया को समूह की दीदीयों ने रक्षासूत्र बांधा। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में समूह से जुड़ी दीदीयाँ, लाड़ली बहनाएँ,गणमान्यजन, अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लाड़ली बहना योजना से मिल रहा आर्थिक सहयोग का संबल

लाडली बहना योजना के तहत मुझे प्रतिमाह साढ़े 12 सौ रुपए तथा रक्षाबंधन के उपहार के रूप में ढाई सौ रुपए कुल 1500 सौ रूपये मेरे खाते में प्राप्त हुये। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भैया का बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। उन्होंने हमें त्यौहार को हंसी खुशी और पूरे उत्साह से मनाने का अवसर प्रदान किया है।

लाड़ली बहना योजना से मुझ गरीब का आर्थिक मदद के साथ सहयोग का संबल मिला है। यह योजना मेरे और परिवार की छोटी मोटी जरूरतों को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रही है। यह बात इंदौर जिले के ग्राम सुल्लाखेडी निवासी श्रीमती मधु चौहान ने कही। उन्होंने कहा मुझ जैसी हजारों लाड़ली बहनायें मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को धन्यवाद देती हैं।

21,000 फीट की ऊंचाई से दिया योग का संदेश

भोपाल के विशाल ने लद्दाख की कांग यात्से पीक पर लहराया तिरंगा

भोपाल। भोपाल के विशाल टाके मराठा लद्दाख की सबसे ऊंची पीक यानी कांग यात्से 1 व 2 पर चढ़ाई कर ली है। विशाल ने यह चढ़ाई 1 अगस्त को शुरू की थी, जिसे 7 अगस्त को पूरा किया। विशाल ने बताया कि दोनों ही पीक पर जाने के लिए बेस कैंप एक ही था। वहीं चढ़ाई तो आप एक दिन भी पूरी कर सकते हैं मगर यहां तक आने के लिए 6 दिन लग जाते हैं। यहां पर परिस्थितियां बहुत विपरीत रहीं, यह एक टेक्निकल पीक है, साथ ही यहां पर पल पल मौसम बदलता है। इस दौरान उन्होंने -10 डिग्री टेंप्रेचर में यह चढ़ाई की। वह मध्य प्रदेश से पहले व्यक्ति हैं जो कि दोनों पीक को फतेह किया है। हालांकि इस पीक पर साल 2018 में जबलपुर के अंकित ने सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी। विशाल ने बताया कि उन्होंने पीक पर तिरंगा भी लहराया और योग भी किया। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं कि एक तरफ वह योग के फायदे दुनिया को बताना चाहते हैं दूसरी तरफ नशा मुक्ति का भी संदेश लोगों को देना चाहते हैं। इससे पहले एवरेस्ट बेस कैंप नेपाल के लगुचे, किन्नर कैलाश माउंटेड और भारत के श्रीखंड पीक पर चढ़ाई कर चुका हूं। इससे पहले विशाल हिमाचल में रियो पुर्गियल पर 75 फीट का झंडा लेकर गए थे। विशाल कहते हैं कि इस दौरान हमारे लिए सबसे बड़ा चैलेंज हवा बनी, यह हवा 100 किमी प्रतिघंटा से तेज थी, जो कि लगातार चढ़ाई के दौरान चलती रहीं, इससे हमें काफी मशक्कत करनी पड़ी। बता दें कि कांगयात्से 1 व 2 की ऊंचाई करीब 6,400 और 6,200 मीटर है। विशाल ने बताया कि वह यह चढ़ाई अल्पाइन स्टाइल (अपना पूरा सामान खुद उठाना) में की। इसमें उनके सामान का वजन करीब 20 किलो तक रहेगा। विशाल का कहना है कि मैं रोजाना 20 किमी रनिंग और वॉक करते हूं।

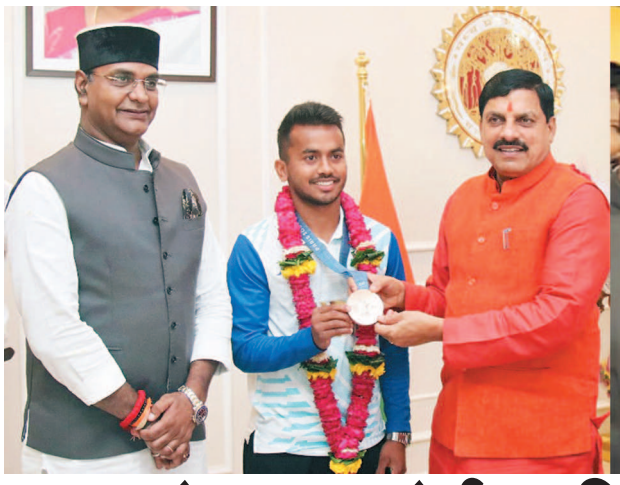

राजा भोज एयरपोर्ट पर विवेक सागर का हुआ भव्य स्वागत, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया सम्मानित

भोपाल। पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारतीय हॉकी टीम भारत लौट आई है। टीम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे विवेक सागर प्रसाद रविवार सुबह दिल्ली से फ्लाइट द्वारा भोपाल पहुंचे। विवेक का मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मानित कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा प्रिय विवेक, आपके अभूतपूर्व खेल से सम्पूर्ण मध्यप्रदेश गौरवान्वित है। आप ऐसे ही अपने खेल से प्रदेश का मान, सम्मान और गौरव बढ़ाते रहें, यही शुभेच्छा है। इस मौके पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग उपस्थित रहे। इससे पहले, विवेक सागर का राजा भोज एयरपोर्ट पर भी भव्य स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर मंत्री विश्वास सारंग और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश पुलिस के डीआईजी एसएएफ मुख्यालय, डॉ. कल्याण चक्रवर्ती, 7वीं वाहिनी के कमांडेंट ने उनका स्वागत किया। विवेक के स्वागत में पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों से गूंजता रहा। प्रशंसक उनके नाम के नारे लगा रहे थे। एयरपोर्ट से स्वागत रैली टीटी नगर स्टेडियम पहुंची। उनकी मां कमला देवी, पिता रोहित सागर और भाई विद्यासागर भी साथ रहे। बता दें कि विवेक सागर सोमवार सुबह सुभाष नगर से अशोका गार्डन तक निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ शामिल होंगे। गौरतलब है कि भोपाल पुलिस हेडक्वार्टर में डीएसपी के पद पर पदस्थ विवेक सागर प्रसाद को मध्यप्रदेश सरकार 1 करोड़ रुपए का इनाम देगी।

कृषि मंत्री ने घोटाले में लिप्त अधिकारी को निलंबित करने का प्रस्ताव रोका

आर्गेनिक फॉर्मिंग के नाम पर 7 करोड़ की खरीदी का मामला

भोपाल। प्रदेश में हादसों के बाद मुख्यमंत्री कलेक्टर और एसपी को एक झटके में हटा देती है, वहीं भ्रष्टाचारियों पर उनकी सरकार के मंत्री मेहनबान बने हुए हैं। प्रदेश के जनजाति बाहुल्य अनूपपुर जिले में पांच साल पहले 7 करोड़ की खरीदी में भ्रष्टाचार के चलते उप संचालक कृषि एनडी गुप्ता को निलंबित करने का प्रस्ताव कृषि मंत्री के कार्यालय जाकर अटक गया है। अनूपपुर के अपर कलेक्टर की जांच रिपोर्ट के बाद कृषि विभाग ने खरीदी में भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई का प्रस्ताव पिछले महीने विभागीय मंत्री एदल सिंह कंसाना के पास भेजा था। मंत्री के कार्यालय से यह प्रस्ताव लौटकर ही नहीं आया। जानकारी के अनुसार अनूपपुर में जिला खनिज फंड से वर्ष 2019-20 में आर्गेनिक फॉर्मिंग के नाम पर 7 करोड़ की खरीदी की गई। जांच में पता चला कि खरीदी की सामग्री का वितरण किसी को नहीं किया गया।

आजादी के लिए त्याग और बलिदान देने वाली

वीरांगनाएं, जिन्हें हम भूल गए..!

देश स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। यह आजादी हमें यूं ही नहीं मिली। इसके लिए न जाने कितने फांसी के फंदे पर झूले थे और न जाने कितनों ने गोली खाई थी, तब जाकर हमने यह आजादी पाई थी। देश ऋणी है उन क्रांतिवीरों का जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। परंतु दुःख है इतिहास में कुछ खास लोगों को ही जगह मिली। कुछ लोग त्याग, बलिदान और आजादी के लिए किए गए लंबे संघर्षों के बाद स्वतंत्र भारत में भी वह सम्मान और पहचान न पा सके जिसके वे हकदार थे। इन वीर सेनानियों में अनेक महिलाएं भी थीं जिन्होंने न केवल क्रांतिकारियों की तरह तरह से सहायता की बल्कि संगठनों व सभाओं का नेतृत्व भी किया। आइए जानें कुछ ऐसी ही वीरांगनाओं के बारे में जो इतिहास के पन्नों में कहीं खो गईं।

■ **झलकारी बाई :** झलकारी बाई का जन्म 22 नंवबर 1830 को झांसी के भोजला गांव में हुआ था। बचपन में ही उनकी मां की मृत्यु हो गई। पिता ने मां और पिता दोनों की भूमिका निभाते हुए उन्हें बड़े प्यार से पाला और घुड़सवारी व तीरंदाजी की शिक्षा दी। उनका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के एक सैनिक के साथ हुआ। यहां वे रानी के संपर्क में आईं। रानी ने उनकी क्षमताओं से प्रभावित होकर उन्हें अपने महिला सैनिकों की शाखा दुर्गा दल में शामिल कर लिया। यहां उन्होंने तोप व बंदूक चलाना सीखा और दुर्गा दल की सेनापति बनीं। वे लक्ष्मीबाई की हमशक्ल भी थीं। शत्रु को धोखा देने के लिए कई बार वे रानी के वेश में भी युद्धाभ्यास करती थीं। अपने अंतिम समय में वे रानी के वेश में युद्ध करते हुए अंग्रेजों के हाथों पकड़ी गईं और रानी को किले से भागने का अवसर मिल गया। झलकारी बाई की गाथा आज भी बुंदेलखंड की लोकगाथाओं और लोककथाओं में अमर है।

■ **रानी चेनम्मा :** चेनम्मा कर्नाटक के कित्तूर राज्य की रानी थीं। उनका जन्म 1778 में बेलगाम जिले के ककती गांव में हुआ था। पहले पति फिर पुत्र की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने अपनी 'राज्य हड़प नीति' के तहत कित्तूर राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। रानी को यह मंजूर नहीं था, उन्होंने अंग्रेजी सेना से जमकर लोहा लिया। अपूर्व शौर्य प्रदर्शन के बाद भी वे अंग्रेजी सेना का मुकाबला न कर सकीं। उन्हें कैद कर लिया गया। 21 फरवरी 1829 को कैद में ही उनकी मृत्यु हो गई। उनके इस बलिदान ने तमाम रजवाड़ों को संगठित होने के लिए प्रेरित किया।

■ **कनकलता बरुआ :** इनका जन्म 22 दिसंबर 1924 को असम के सोनीपुर जिले के गोहपुर गांव में हुआ था। अल्पायु में ही माता-पिता की मृत्यु के बाद उनकी नानी ने उन्हें पाला-पोसा। 1931 में गमेरी गांव में रैयत अधिवेशन हुआ जिसमें तमाम क्रांतिकारियों ने भाग लिया। सात साल की कनकलता भी अपने मामा के साथ अधिवेशन में गईं। इस अधिवेशन में भाग लेने वाले सभी क्रांतिकारियों पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चला तो पूरे असम में क्रांति की आग फैल गई। कनकलता क्रांतिकारियों के बीच धीर-धीरे बड़ी होने लगीं। एक गुप्त सभा में 20 सितम्बर 1942 को तेजपुर कचहरी पर तिरंगा फहराने का निर्णय हुआ। उस दिन बाइस साल की कनकलता तिरंगा हाथ में थामे जुलूस का नेतृत्व कर रही थीं। अंग्रेजी सेना की चेतावनी के बाद भी वे रुकी नहीं और छाती पर गोली खाकर शहीद हो गईं। अपनी वीरता व निडरता के कारण वे वीरबाला के नाम से जानी गईं। आज सबसे कम उम्र की बलिदानी कनकलता का नाम भी इतिहास के पन्नों से गायब है।

■ **मातंगिनी हजारा :** मातंगिनी हजारा का जन्म 19 अक्टूबर 1870 को तत्कालीन पूर्वी बंगाल के मिदनापुर जिले के होगला गांवमें हुआ था। गरीबी के कारण बारह वर्ष की उम्र में उनका विवाह 62 वर्षीय विधुर के साथ कर दिया गया। छः वर्ष के बादवे निःसंतान विधवा हो गईं। जैसे-तैसे गरीबी में दिन गुजार रही थीं। 1932 में देशभर में स्वाधीनता आंदोलन चला और जुलूस उनके घर के सामने से गुजरा तो वे भी जुलूस के साथ चल पड़ीं। इसके बाद वे तन-मन-धन से देश के लिए समर्पित हो गईं। 17 जनवरी 1933 को कर बंदी आंदोलन का नेतृत्व किया, गवर्नर एंडरसन को काले झंडे दिखाए तो गिरफ्तार कर ली गईं। छः मास का सश्रम कारावास हुआ। भारत छोड़ो आंदोलन की रैली के लिए घर-घर जाकर 5000 लोगों को तैयार किया। तिरंगा हाथ में लिए रैली का नेतृत्व करते हुए मातंगिनी जुलूस के साथ जब सरकारी डाक बंगले पर पहुंचीं तो पुलिस ने वापस जाने को कहा। मातंगिनी टस से मस न हुईं। अंग्रेजी सिपाहियों ने गोली चला दी। गोली मातंगिनी के बाएं हाथ में लगी। तिरंगे को गिरने से पहले ही दूसरे हाथ में ले लिया। दूसरी गोली दाएं हाथ में और तीसरी माथे पर लगी। मातंगिनी वहीं शहीद हो गईं। इस बलिदान ने क्षेत्र के लोगों में जोश भर दिया परिणामस्वरूप लोगों ने दस दिनों के अंदर ही अंग्रेजों को वहां से खदेड़ दिया और स्वाधीन सरकार स्थापित की, जिसने 21 माह काम किया। आज हममें से कितने लोग हैं जो मातंगिनी हजारा जैसी कोई वीरांगना हुई थी यह जानते हैं?

■ **दुर्गावती बोहरा (दुर्गा भाभी) :** दुर्गावती का जन्म 7 अक्टूबर 1902 को कौशाम्बी जिले के शहजादपुर गांव में हुआ था। दस वर्ष की अल्पायु में ही इनका विवाह लाहौर के भगवती चरण बोहरा के साथ हुआ। भगवती चरण के पिता शिवचरण रेलवे में उच्च पद पर आसीन थे। अंग्रेज सरकार ने उन्हें राय साहब की पदवी दी थी। पिता के प्रभाव से दूर भगवती चरण का क्रांतिकारियों से मिलना-जुलना था। उनका संकल्प देश को अंग्रेजी दासता से मुक्त कराना था। 1920 में पिता की मृत्यु के बाद पति-पत्नी दोनों खुलकर क्रांतिकारियों का साथ देने लगे। 28 मई 1930 को रावी नदी के तट पर साथियों के साथ बम बनाने के बाद परीक्षण करते समय बोहरा शहीद हो गए। अब दुर्गावती जो साथियों में दुर्गा भाभी के नाम से जानी जाती थीं और अधिक सक्रिय हो गईं। 9 अक्टूबर 1930 को दुर्गा भाभी ने गवर्नर हैली पर गोली चलाई परंतु वह बच गया। मुंबई के पुलिस कमिश्नर को भी दुर्गा भाभी ने ही गोली मारी थी, जिससे पुलिस उनके पीछे पड़ गई और गिरफ्तार कर लिया। दुर्गा भाभी का काम क्रांतिकारियों को हथियार पहुंचाना था। वे भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, बटुकेश्वर दत्त आदि के साथ काम करती थीं। उनकी शहादत के बाद वे अकेली पड़ गईं और अपने पांच साल के बेटे शचींद्र को शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से दिल्ली और फिर लाहौर चली गईं। जहां पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और तीन वर्षों तक नजरबंद रखा। 1935 में वे गाजियाबाद आ गईं और एक विद्यालय में पढ़ाने लगीं। इसके बाद अन्य कई स्कूलों में भी उन्होंने अध्यापन किया और 14 अक्टूबर 1999 को इस दुनिया से विदा हो गईं। इस क्रांतिकारी महिला को स्वतंत्र भारत में कोई सम्मान व पहचान नहीं मिली।

■ **बीनादास :** बीनादास का जन्म 24 अगस्त 1911 को बंगाल प्रांत के कृष्णानगर गांव में हुआ था। वे कोलकाता में महिलाओं द्वारा संचालित अर्धक्रांतिकारी संगठन छात्रा संघ की सदस्या थीं। 1928 में उन्होंने साइमन कमीशन का विरोध किया। 1932 में उन्हें एक दीक्षांत समारोह में बंगाल के गवर्नर स्टैनली जैक्सन को मारने की जिम्मेदारी दी गई। इस समारोह में उन्हें भी डिग्री मिलनी थी। स्टेनली जब भाषण देने लगा, वे अपनी सीट से उठीं और गवर्नर के सामने जाकर गोली चला दी। उनका निशाना चूक गया, स्टेनली बच गया, परंतु उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बीनादास को दस साल कैद की सजा सुनाई गई, साथियों के नाम बताने के लिए जेल में तरह तरह की यातनाएं दी गईं, परंतु उन्होंने मुंह नहीं खोला। 1947 से 1951 तक पश्चिम बंगाल प्रांत विधानसभा की सदस्य रहीं। 1986 में ऋषिकेश में उनकी लाश मिली।

भारत भूमि ऐसे बलिदानों और बलिदानियों से भरी पड़ी है। हमें बेशक स्वतंत्रता संग्राम में प्राणों की आहुति देने का सौभाग्य नहीं मिला परंतु आज हम उन अमर शहीदों व उनके परिवार वालों को ढूंढकर उचित सम्मान तो दे ही सकते हैं।

**आओ झुककर सलाम करें उनको,
जिनके हिस्से में यह मुकाम आता है,
खुशनसीब होता है वह खून
जो देश के काम आता है।**

स्टाइलिश दिखने में काम आएंगे ये नुस्खे

नौकरी, पैसा, पद अपनी जगह हैं, लेकिन कहीं भी पहला प्रभाव हमारे पहनावे और स्टाइल से ही पड़ता है। इसलिए अक्सर लोग इस बात को लेकर सतर्क रहते हैं कि वह कैसे दिख रहे हैं। हमेशा स्टाइलिश दिखने की यह चाहत गलत भी नहीं है। लेकिन अगर व्यस्तता के चलते आपके लिए कुछ चीजें मुश्किल हैं तो कुछ उपाय आप आजमा सकती हैं।

हर कोई स्टाइलिश और स्मार्ट दिखना चाहता है। अपने लुक को लेकर सब दूसरों की तारीफ बटोरना चाहते हैं। इसके लिए एक तो वक्त देना पड़ता है और दूसरा पैसा भी खर्च करना पड़ता है। सबसे अहम बात कि थोड़ी मेहनत भी करनी ही पड़ती है। कपड़ों और मैचिंग एक्सेसरीज का चुनाव कोई आसान काम तो है नहीं। व्यस्त दिनचर्या में कई बार ऐसा नहीं हो पाता। ऐसे में सबसे पहला ख्याल आराम करने का आता है। ऐसे में कुछ उपाय आपको स्टाइलिश दिखने में मदद कर सकते हैं। दिलचस्प बात ये है कि इनके लिए आपको न तो घंटों बर्बाद करने हैं न ही कपड़े चुनने के मामले में ज्यादा मेहनत ही करनी पड़ेगी।

वार्डरोब में रखें सफेद शर्ट : स्टाइल विशेषज्ञों की मानें तो सफेद शर्ट हर लड़की के वॉर्डरोब का हिस्सा होनी ही चाहिए। यह एक बहुत ही शानदार पहनावा है, जो मौके और जरूरत के हिसाब से कैजुअल भी दिख सकता है और फॉर्मल भी। बेसिक ब्लू डेनिम जींस से लेकर पार्टी वेयर स्कर्ट तक आप इसे अपनी पसंद के किसी भी तरह के बॉटम्स के साथ पहन सकती हैं और यह हर बार आपको स्टाइलिश दिखाएगा। सफेद आपको बिना ज्यादा मेहनत के क्लासी लुक देता है।

ऑल-ब्लैक आउटफिट्स : अगर आपको एक ही आउटफिट में ग्रेस, एलिगेंस, स्टाइल, ग्लैमर और क्लास सब एक ही में चाहिए तो इसके लिए ब्लैक आउटफिट्स से बेहतर कुछ भी नहीं है। ब्लैक एक ऐसा रंग है जो हर स्किनटोन और हर बॉडीटाइप पर अच्छा लगता है। अगर आपको बिना ज्यादा मेहनत किए स्टाइलिश दिखना है तो ब्लैक आउटफिट्स इसके लिए परफेक्ट है। ब्लैक टी-शर्ट के साथ ब्लैक टाइट्स या दूसरे कोई भी बॉटम्स आपको स्टाइलिश दिखाने के लिए काफी है।

ग्राफिक टी-शर्ट

ग्राफिक टी-शर्ट आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी लगती है। सबसे खास बात कि ये आसानी से मिल जाती हैं। इनमें आपको डिजाइन और पैटर्न में भी काफी वैरायटी मिल जाएगी। ये भले ही आपको बहुत ही कैजुअल और बेसिक चीज लगती हो लेकिन यही चीज इसको खास बनाती है। इन टी-शर्ट्स के पैटर्न और डिजाइन्स आपके लुक को ब्राइट और वाइब्रेंट बना देते हैं। इन्हें आप अपनी पसंद के किसी भी तरह के बॉटम्स के साथ पेयर कर सकती है, यहां तक कि आप इन्हें जॉगर्स या ट्रैक पैंट्स के साथ पेयर कर के भी स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

लेयरिंग

स्टाइल विशेषज्ञ का कहना है कि लेयरिंग एक बहुत ही स्मार्ट स्टाइलिंग हैक या टिप है जो बिना ज्यादा एफर्ट किए आपको स्टाइलिश लुक पाने में मदद करता है। लेयरिंग एक ऐसा स्टाइलिंग टिप है, जो आप एथनिक और वेस्टर्न दोनों तरह के ही आउटफिट्स के साथ आजमा सकते हैं। इसी के साथ ये स्टाइल टिप आप फॉर्मल्स और कैजुअल्स दोनों तरह की ड्रेसिंग में प्रयोग कर सकती हैं।

एक्सेसरीज का करें चुनाव

इन सभी के अलावा एक जो बहुत ही असरदार स्टाइल टिप है, जो आलसी लड़कियों के बहुत काम आएंगी। सिंपल से झुमके हों या एक स्टेटमेंट बेल्ट, ये छोटी-छोटी चीजें चुटकियों में आपके आउटफिट और आपके लुक में चार चांद लगा सकते हैं। एक फ्लोरल मैक्सी ड्रेस को आप बेल्ट के साथ और ज्यादा स्टाइलिश बना सकती है या फिर सिंपल से कुर्ते के साथ झुमके पहन कर अपने लुक को स्मार्ट बना सकती हैं।

काम की बातें

खूबसूरत काया के लिए दिनचर्या पर ध्यान दें

आकर्षक व्यक्तित्व का धनी हर कोई होना चाहता है। मगर इसके लिए प्रयास भी कम नहीं करने पड़ते। बेशक सुंदरता कुदरत की देन होती है, मगर इसकी हिफाजत हमारे हाथों में होती है। बाजार में उपलब्ध उत्पादों से आप कुछ पल के लिए सुंदर बन सकते हैं, लेकिन सिर्फ इन पर ही निर्भर न रहें। हमारी दिनचर्या भी काफी अहम साबित होती है। खासतौर से हम क्या खा-पी रहे हैं और शारीरिक व्यायाम को कितना महत्व दे रहे हैं। रोजाना व्यायाम करें। सादा और ताजा खाना ही खाएं, जिनमें भरपूर पोषक तत्व मौजूद हों।

मेकअप उत्पाद प्रयोग करें मगर संभलकर

खूबसूरत दिखना हर लड़की की चाहत होती है, फिर वह किसी भी उम्र की क्यों न हो। इसके लिए वह मेकअप उत्पादों का सहारा भी लेती हैं। इससे चेहरे पर निखार लाने में उन्हें मदद तो मिलती है, लेकिन अगर लापरवाही बरती जाए तो जितना निखार मिला है, उससे ज्यादा नुकसान भी हो सकता है। जी हां, मेकअप उत्पाद इस्तेमाल करें, मगर रात को सोने से पहले उन्हें हटाना न भूलें, वरना त्वचा पर दाग-धब्बे बनने शुरू हो जाएंगे। रात में सोने से पहले त्वचा को आराम देना जरूरी होता है इसलिए आपको चाहिए कि हमेशा अपने चेहरे को रात में अच्छे से साफ करके ठंडे पानी से धोएं।

मोटापे से छुटकारा दिलाएगी कॉफी

एक हालिया शोध के मुताबिक रोजाना 4 कप कॉफी पीने से कोलेस्ट्रोल कंट्रोल में रहता है। साथ ही आपके फैट को भी मैनेज करता है। इलिनोइस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि कैफीन हाई शुगर और फैट वाली डाइट लेने के बावजूद शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा को नियंत्रित रखने का काम करती है, साथ ही वजन को सीमित रखती है। शोध में यह भी कहा गया है कि कैफीन हमारे शरीर के फैट कोशिकाओं में लिपिड की मात्रा को 20 से 41 प्रतिशत तक कम करती है। यानी इतनी क्षमता के साथ फैट बढ़ने से रोकता है। वैज्ञानिकों ने अपना यह शोध चूहों पर किया था।

रखें ख्याल लुक को सादा रखते हुए स्टाइलिश नजर आना है तो केप स्लीव का विकल्प बेहतर है, इन्हें शादी-ब्याह के पारंपरिक पहनावे में आजमा सकते हैं

ब्राइडल लुक के लिए बनवाएं ब्लाउज के यह स्टाइल

शादी का जोड़ा सभी दुल्हनों के लिए खास होता है। हर लड़की चाहती है कि रंग, फिटिंग और स्टाइल से लेकर किसी मामले में इसमें कोई कमी न रहे। इसलिए वह शादी से महीनेभर पहले ही लहंगा तैयार करवाना शुरू कर देती है। लेकिन लहंगे को खूबसूरत लुक देने में सबसे अहम भूमिका निभाता है ब्लाउज। आप लहंगे के साथ कैसा ब्लाउज सिलवा रही हैं, इसका ध्यान रखें-

अगर जल्द ही आपकी शादी होने वाली है तो जाहिर सी बात है शादी में पहने जाने वाले लहंगे को लेकर आप भी काफी ऊहापोह में होंगी। अगर आप चाहती हैं कि सबकी नजर आप पर टिक जाए तो अपने लहंगे के साथ-साथ ब्लाउज के स्टाइल पर भी फोकस करें। शीयर, कढ़ाईदार, पफ स्लीव सादे से लहंगे को भी खास बना देते हैं। इसलिए आप भी ब्लाउज के स्टाइलिश डिजाइन अपनाएं-

पफ स्लीव ब्लाउज : पफ स्लीव का फैशन काफी पुराना है, लेकिन एक बार फिर से चलन में है। वेडिंग आउटफिट हो, गाउन या फिर साड़ी का ब्लाउज, हर एक में ये बहुत जंचता है और साथ ही आपके लुक को भी यूनिक बनाता है। फुल स्लीव में पफ का स्टाइल उतना अच्छा नहीं लगेगा। इसे शार्ट या क्वार्टर स्लीव में ही ट्राय करें।

एम्ब्रॉयडेड स्लीव : लहंगा हो, दुपट्टा या फिर ब्लाउज, एम्ब्रॉयडरी है हर एक में हिट एंड फिट। किसी भी सादे आउटफिट की खूबसूरती एम्ब्रॉयडरी से बढ़ाई जा सकती है।

दुल्हनों के अलावा उनकी बहन और सहेलियां भी इस स्टाइल को आजमा सकती हैं। फुल स्लीव ब्लाउज में इनका लुक और ज्यादा खूबसूरत लगता है।

केप स्लीव्स

लुक को सादा रखते हुए स्टाइलिश नजर आना है तो केप स्लीव का विकल्प बेहतर है। शीयर, लेस, ब्रोकेड जैसे हर एक फैब्रिक में ये अच्छे लगेंगे। सबसे अच्छी बात कि इन्हें वेडिंग के पारंपरिक पहनावे से लेकर वेस्टर्न ड्रेस तक में आजमाया जा सकता है।

लेस स्लीव

मिलेगी हर किसी की अटेंशन जब लेस स्लीव वाले आउटफिट्स को करेंगी कैरी। यकीन मानिए ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे। व्हाइट, ऑफ व्हाइट के अलावा और भी दूसरे हल्के रंगों में ये बहुत बेहतरीन लगते हैं।

लगभग 75 करोड़ रु. बाजार मूल्य की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

इन्दौर। इंदौर जिले में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा तथा अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन के अमले द्वारा लगभग 75 करोड़ रूपये बाजार मूल्य की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया।

जूनी इंदौर क्षेत्र के एसडीएम श्री घनश्याम धनगर ने बताया कि ग्राम निपानिया तहसील जूनी इंदौर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 170 रकबा 0.506 हेक्टेयर जो कि राजस्व अभिलेखों में शासकीय पीरस्थान व्यवस्थापक कलेक्टर इंदौर के नाम पर दर्ज है।

उक्त भूमि पर अतिक्रामक शाहिद शाह पिता अब्दुल गफूर शाह निवासी शेरशाह सूरी नगर खजराना द्वारा लोहे के कंटेनर में ऑफिस बना कर व भूमि पर बाउंड्रीवॉल बनाने का प्रयास किया जा रहा था, इसे आज अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उक्त भूमि के सम्बन्ध में उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर द्वारा प्रचलित वाद क्रमांक CR¤ 00114/2012 में पारित आदेश दिनाँक 04 दिसम्बर 2012 अनुसार स्थगन भी प्रदान किया गया है। अतिक्रामक द्वारा उक्त स्थगन के विरुद्ध भूमि पर कब्जा कर उसे क्रय-विक्रय किए जाने का प्रयास किया जा रहा था। उक्त क्रय-विक्रय को रोकने तथा न्यायालय के आदेश के पालन में उक्त कार्यवाही की गई। उक्त भूमि का बाजार मूल्य लगभग 75 करोड़ है।

शेयर मार्केट में कई गुना प्रॉफिट कराने के नाम पर ठगी करने वाली गैंग का फरार आरोपी क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में

इन्दौर। इंदौर शहर में ऑनलाइन फ्रॉड और धोखाधड़ी संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के दिशानिर्देशन में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस द्वारा ऑनलाइन फ्रॉड एवं सोशल मीडिया संबंधित अपराधों में आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में अपराध शाखा में इंदौर के (बिलासपुर) छत्तीसगढ़ के फरियादी नितिन जैन के द्वारा लिखित शिकायत की गई थी कि ग्रोइंग डिजायर एडवाइजरी कंपनी के नाम से कॉल कर शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करके गई गुना प्रॉफिट कमाने के नाम से 16,45,000/- रु. प्राप्त कर धोखाधड़ी की गई, जिस पर क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा फरियादी की शिकायत जांच करते हुए ज्ञात हुआ कि स्कीम नं. 54 स्थित ग्रोइंग डिजायर एडवाइजरी कंपनी विकास चौहान के नाम से रजिस्टर्ड है, जिसके अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर बिलासपुर के फरियादी को शेयर बाजार में कई गुना प्रॉफिट का झांसा देकर ठगी की वारदात की गई थी। जिस पर क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस द्वारा अपराध धारा 420, 409, 34 का पंजीबद्ध कर प्रकरण में आरोपी (1) विकास चौहान निवासी, अंबिका नगर, इंदौर को गिरफ्तार किया गया था। प्रकरण में आरोपी विकास का भाई लंबे समय से फरार था जिसे क्राइम ब्रांच टीम द्वारा तकनीकी एवं मुखबिर सूचना प्राप्त कर साथी आरोपी (2). सचिन चौहान, निवासी- अंबिका नगर, इंदौर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

7 पीड़ितों से 5.22 लाख रुपए ऐंठ चुके फ्रॉडस्टर : पीएम आवास एवं किसान निधि योजना के नाम पर की जा रही ठगी

इन्दौर। पीएम आवास योजना, पीएम किसान निधि योजना के नाम पर लोगो से साइबर फ्रॉड होने की काफी शिकायत सामने आ रही हैं। वाट्सएप पर इसके लिए एपीके फाइल आती है। उसे क्लिक करते ही आपके मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड हो जाता है जिसमे मोबाइल से बिना ओटीपी बताए भी ट्रांजैक्शन हो जाता है। काफी शिकायत में लोगो से पैसे ठगे गए हैं। लोगो को भी चाहिए की इस तरह की फाइल को बिना जांचे अन्य ग्रुप पर फारवर्ड नहीं करें। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि वाट्सएप के ग्रुप पर इन दिनों मैसेज आ रहे हैं, जिसमे पीएम आवास योजना, पीएम किसान निधि योजना का लाभ लेने की जानकारी वाले मैसेज चल रहे हैं। इसमें एक एपीके फाइल भी होती है। इस पर क्लिक करने पर एक फार्म खुलता है। जिसमे नाम, पता, मोबाइल नंबर, बैंक खाते की जानकारी मांगी जाती है। इसके बाद किसी नंबर से फोन कर बताया जाता है कि आपने पीएम योजना के लिए अप्लाई किया है। आपके खाते में योजना का पैसा आ गया है। पीड़ित द्वारा मना करने पर खाता चेक करने के बहाने यूपीआई एप को खुलवाया जाता है। फिर इस तरह से खाते से ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए पैसे ट्रांसफर कर लिए जाते हैं।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में फिर बिगड़ा एक और एग्जाम का रिजल्ट

बीएड फर्स्ट सेमेस्टर में 60 फीसदी छात्र हुए फेल, आक्रोश

इन्दौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में रिजल्ट बिगड़ना कोई नई बात नहीं है। यहां हर वर्ष ऐसे कई मामले सामने आते रहे हैं। अब बीएड का रिजल्ट बिगड़ने का मामला भी सामने आया है। रिजल्ट बिगड़ने पर आए दिन स्टूडेंट अपनी आपत्ति दर्ज करवा रहे हैं। अब बीएड फर्स्ट सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने आंसर शीट का वापस मूल्यांकन कराने की मांग की है। इसके साथ ही रिजल्ट रिव्यू के लिए स्टूडेंट्स ने आवेदन भी कर दिया है। मई में हुई बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में करीब 10 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। रिजल्ट में चार हजार विद्यार्थी ही पास हुए है। अब रिजल्ट बिगड़ने से आए दिन विद्यार्थी आपत्ति दर्ज करवा रहे है। रोजाना छात्र-छात्राएं अधिकारियों से मिलकर दोबारा कॉपियां जांचने

की मांग कर रहे हैं। छात्र संगठन भी दवाब बना रहे है। हालांकि कुलगुरु डॉ. रेणु जैन और अधिकारियों के बीच बैठक होना बाकी है, जिसमें दोबारा मूल्यांकन करवाने को लेकर चर्चा होना है। वैसे रिव्यू के लिए काफी सारे विद्यार्थियों ने आवेदन कर दिया है।

जानकारी अनुसार मई में बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा हुई। कुल 10 हजार विद्यार्थी थे। जुलाई में विश्वविद्यालय ने रिजल्ट जारी किया, जिसमें 40 फीसद यानी चार हजार छात्र पास हुए है। 60 फीसद छात्र-छात्राओं को एटीकेटी आई है।लगातार विद्यार्थी कम अंक आने के पीछे खराब मूल्यांकन को ठहरा रहे है। उनका कहना है कि सभी प्रश्नों के जवाब देने के बावजूद शिक्षकों ने ठीक से कॉपियों का मूल्यांकन नहीं किया है। अधिकांश विद्यार्थियों को अलग-अलग विषयों में तीन से चार अंक कम आने से फेल हुए हैं। विवि के जिम्मेदारों का कहना है कि स्टूडेंट्स की आपत्तियों की सुनवाई कर दी। मगर वह सभी विषयों का दोबारा मूल्यांकन करवाना चाह रहे है, जो संभव नहीं है। कुछ स्टूडेंट्स की कॉपियां जांची जा सकती है, जिसमें वह फेल हुए हैं।

500 रुपए में सोनोग्राफी योजना नहीं हो सकी सकी शुरू

स्वास्थ्य विभाग सोनोग्राफी सेंटरों से लेने में लगा सहमति

इन्दौर। गर्भवती महिलाओं को 500 रुपए में प्राइवेट सेंटरों पर सोनोग्राफी करवाने की योजना जिले में अभी नहीं शुरू हो सकी है। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए प्राइवेट सोनोग्राफी सेंटरों से सहमति बनाने में लगा है। वही यह भी बताया जा रहा है कि कुछ सेंटरों ने सोनोग्राफी 500 रुपए में करने के लिए सहमति दे दी है। वहीं सूत्रों का यह भी कहना है कि फिलहाल आईडी बनाने को लेकर भी कुछ परेशानी आ रही है इस कारण भी इंदौर जिले में यह योजना फिलहाल शुरू नहीं हो सकी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग से जल्द ही शुरू करने की तैयारी में है। जानकारी अनुसार प्रदेश सरकार महिलाओं को और अधिक सुविधा देने के लिए लगातार योजनाएं लागू कर रही है। इसी के तहत गर्भवती महिलाओं को 500 रुपए में प्राइवेट सेंटरों पर सोनोग्राफी करवाने की योजना लागू की है। हालांकि यह योजना इंदौर जिले में फिलहाल शुरू नहीं हो सकी है। अगले सप्ताह यह शुरू होने की पूर्ण उम्मीद जताई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार योजना को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। विभाग की कोशिश है कि लगभग सभी सेंटरों पर सहमति से गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी करवाने की शुरुआत की जा सके। इसके लिए सभी सेंटरों से सहमति मांगी गई है। कुछ सेंटरों ने तो ?500 में सोनोग्राफी करने के लिए सहमति भी दे दी है। उम्मीद है जल्द ही अन्य सोनोग्राफी सेंटर भी इसके लिए सहमति जाता देंगे और उसके तुरंत बाद योजना जिले में लागू हो जाएगी। आईडी बनने में हो रही परेशानी-विभागीय सूत्रों की मानें तो प्राइवेट सेंटरों के लिए आईडी बनाने में परेशानी आ रही है। इसके कारण भी इंदौर जिले में यह योजना लागू करने में परेशानी हो रही है। सूत्र यह भी बता रहे है कि यह परेशानी में सर्वर भोपाल से ही हो रही है इसलिए इसका निराकरण भी वहीं से होना है। जल्द ही विभाग के तकनीशियन और इंजीनियर इस समस्या को दूर कर आईडी बनाने में शुरुआत कर देंगे। ऐसे मिलेगा सुविधा का लाभ-इस सुविधा का लाभ लेने के लिए गर्भवती महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नाम व फोन नंबर बताना होगा। इसके बाद सीएचसी में ई-वाउचर जनरेट होगा। जांच से पहले मोबाइल पर ओटीपी आएगा। सत्यापन के बाद संचालक अल्ट्रासाउंड कर पाएंगे।

सहमति मांगी है, जल्द शुरू होगी...

विभाग की मंशा है कि सभी सेंटरों पर यह सुविधा उपलब्ध हो इसलिए सहमति मांगी है। जल्द ही शुरू कर दी जाएगी।

-डा. बीएस सैत्या, सीएमएचओ

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)